सामान्य परिचय

जर्मन आदर्शवादियों में हीगल का नाम शीर्षस्थ है। इनका पूरा नाम जार्ज विल्हेम फ्रेडरिक हीगल था। 1770 ई. में दक्षिण जर्मनी में वर्टमवर्ग में उसका जन्म हुआ और उसकी युवावस्था फ्रांसीसी क्रान्ति के तूफानी दौरे से बीती। हीगल ने विवेक और ज्ञान को बहुत महत्त्व प्रदान किया।

उसके दर्शन का महत्त्व दो ही बातों पर निर्भर करता है

1. द्वन्द्वात्मक पद्धति
2. राज्य का आदर्शीकरण।

1831 ई. में इस महान् आदर्शवादी की हैजे की बीमारी से बर्लिन में मृत्यु हो गई। इस महान् विचारक पर प्लेटो, अरस्तू, काण्ट, फिक्टे तथा मॉण्टेस्क्यू व रूसो का विशेष प्रभाव पड़ा।

हीगल की रचनाएँ

हीगल की प्रमुख रचनाएँ निम्नलिखित हैं

- फिनोमिनोलॉजी ऑफ स्पिरिट (1807)
- साइन्स ऑफ लॉजिक (1816)
- फिलॉसफी ऑफ लॉ या फिलॉसफी ऑफ राइट (1821)
- कॉन्सटीट्यूशन ऑफ जर्मनी
- फिलॉसफी ऑफ हिस्ट्री (1836) *मृत्यु के बाद प्रकाशित*

हीगल की राजनीतिक विचारधारा की कुंजी उसका ग्रन्थ "The Phenomenology of Spirit" है। जो कोई राजनीतिक ग्रन्थ न होकर सार्वभौमिक सत्य की खोज अधिक है।

Scanned with CamScanner